WELLAND GOULDSMITH SCHOOL (PATULI)

Chapter - 4

Meri Norway Yatra

सारांश

हर व्यक्ति को यात्रा करना अच्छा लगता है। इस पर यदि यात्रा विदेश की हो तो और भी ज्यादा अच्छा लगता है। यात्रा करने का एक सुखद अनुभव होता है और साथ ही ज्ञान की भी वृद्धि होती है। 'मेरी मेरी नॉर्वे यात्रा' में लेखक ने नार्वे की राजधानी ओस्लो का भ्रमण किया था।लेखक ने इस पाठ में नार्वे यात्रा का विस्तृत वर्णन किया।

लेखक का बचपन से ही प्रिय विषय भूगोल था। एशिया और यूरोप का नक्शा वे बिना मानचित्र देखे बना लिया करते थे। उन्होंने सुना था कि उत्तरी ध्रुव के पास एक ऐसा देश है, जहां छह महीने का का दिन होता है और छह महीने की रात। आधी रात को भी वहां सूरज चमकता है। चारों और बर्फ- बर्फ ही होती है। बर्फ पर बिना पहिए की स्लेज गाड़ियां चलती हैं, जिन्हें कुत्ते खींचते हैं। हजारों की संख्या में रेंडियर होते हैं और भालू भी।

नॉर्वे की राजधानी का नाम - ओस्लो है। आज लेखक अपने कल्पना के शहर ओस्लो को अपनी आंखों से देखने जा रहे थे। विमान ओस्लों की ओर बढ़ रहा था। विमान से नीचे की ओर देखने पर सब द्वीप नहीं है बल्कि धरती के छोटे-छोटे पेबंद दिख रहे थे। समुद्र का रंग भी बदल रहा था। जमीन से जुड़ी हरियाली गहरी हरियाली दिखाई पड़ रही थी।

विमान झुक रहा था, धीरे-धीरे धरती की और उतर रहा था। सागर के किनारे को छूता हवाई- अड्डा है नॉर्वे की राजधानी का। जब लेखक नॉर्वे पहुंचे उस समय रात के दस बज रहे थे, लेखक के आश्चर्य का ठिकाना नहीं क्योंकि चारों और चमकती हुई धूप थी। पहाड़ों में जाड़ों की धूप ऐसी ही होती है। पीली ,ठंडी , तापहीन उजाला है। दिनऔर रात की यही विशेषताएं हैं । नॉर्वे के दाएं हाथ की ओर समुद्र है- इसे 'ओस्लो फीयर्ड' कहते हैं। यह एक सौ दस किलोमीटर लंबा अपने आप में कई विशेषताएं लिए देश के धुर दक्षिण में है। विदेशों का अधिकांश व्यापार यहीं से होता है।

पहाड़ियों की हल्की - सी ढलान, उस पर चादर की तरह फैला यह शहर। सभी मकान खूबसूरत हैं, घर के आसपास बगीचा बनाने की सुंदर परंपरा है यहां। हरी हरी मुलायम दूब! रंग बिरंगे फूल! कहीं चेरी, आड़ू तो कहीं सेब के वृक्ष! सब्जियों में पालक, गोभी व सलाद के चौड़े-चौड़े पत्ते! सब कुछ कितना सुरुचिपूर्ण है। ओस्लो में प्रवासी भारतीयों की संख्या 1600 -1700 से अधिक नहीं होगी। नॉर्वेज़ियन समाज में भारतीय बड़ी प्रतिष्ठा के निगाह से देखे जाते हैं।

विदेशों में भारतीयों के लिए खाने -पीने की एक समस्या रहती है। हम भारतीय मसालेदार गरम खाना पसंद करते हैं, जबकि नॉर्वे में सब कुछ ठंडा खाने का रिवाज़ है। एक दिन शाम को एक मित्र भोजन के लिए लेखक को आमंत्रित करते हैं । लेखक जब अपने मित्र का घर देखते हैं घर वैसे ही सजा है जैसे नॉर्वेज़ियनों के घर सजे रहते हैं। यह गरमी का मौसम है ।उन्होंने सैकड़ों क्रोनर खर्च करके बाहर लाल-पीले फूल गमलों में उगाए हैं।बरामदे के बाद जहां से कमरा शुरू

होता है, वहीं से फर्श पर बिछा कालीन भी शुरू हो जाता है। रसोई के अलावा सब जगह कालीन बिछा है- नहाने- धोने के कमरे में भी। लेखक को अर्से बाद घर के जैसा भोजन मिला था। भोजन में दाल, रोटी , चावल, अचार और पापड़ थे। लेखक को अपने मित्र से हिंदी में बात करके बड़ा अच्छा लग रहा था। कुछ क्षणों के लिए लेखक को लगने लगा था जैसे वे नॉर्वे में न होकर भारत में हो।

नॉर्वेज़ियन लोग प्रायः समय पर सो जाते हैं। लेकिन भारतीय, पाकिस्तानी या अफ्रीकी लोग देर से भोजन करते हैं और देर तक जागते रहते हैं। जब तक अंधेरा ना हो उन्हें नहीं लगता कि रात है। नॉर्वेज़ियन लोग रात का भोजन प्राय: शाम को छह-सात बजे तक ले लेते हैं, इसलिए सारे रेस्तरां तक बंद हो जाते हैं। शाम होते ही बाजार बंदे दिखते हैं। सड़कों पर इक्का-दुक्का आदमी जैसे भटक कर आ गए हों। समुद्र में बहुत नावे तैरती दिखती है यहां जाड़ों के खेल बहुत लोकप्रिय हैं। कुछ लोग ओस्लो को 'स्कीइंग' यानी बर्फ में खेले जाने वाले खेलों की राजधानी भी कहते हैं।

Home Work

शब्दार्थ लिखिए-

विमान =

पैबंद =

प्रवासी=

भ्रम=

चहलकदमी=

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. मित्र के घर में लेखक को भारत में होने का भ्रम क्यों पैदा होता है?

2. नार्वे में दिन और रात में अंतर किस प्रकार पता चलता है?

3. नॉर्वे की राजधानी का नाम बताएं?

4. लेखक के मित्र की कार कैसी थी?

5.लेखक को ओस्लो के मकान सुरुचिपूर्ण क्यों लगे?

नीचे दिए गए अवतरण के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए।

बचपन में भूगोल मेरा सबसे प्रिय विषय था। एशिया और यूरोप का नक्शा में बिना मान चित्र देखें बना लिया करता था
- - - - - - - - - - - - - ----------

- - - - - -: - - आधी रात को भी वहां सूरज चमकता है। चारों ओर बर्फ ही बर्फ होती है। बर्फ पर बिना पहिए की स्लैज गाड़ियां चलती हैं, कुत्ते खींचते हैं। हजारों की संख्या में रेंडियर होते हैं और भालू भी।

1. लेखक का बचपन में प्रिय विषय कौन सा था?

और लेखक कहां का नक्शा बिना देखे बना लिया करते थे?

2. लेखक ने नॉर्वे के विषय में क्या सुन रखा था?

3. बर्फ पर किस तरह की गाड़ियां चलती है ? और उन्हें कौन खींचते हैं?

4. शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए - मानचित्र , कलात्मक